

06/07/2024

वसुधै कुर्वन् भद्रमकारिणी
 नदीं आवेत्। वीर-वीर आवर्त लोकात्
 परं श्री लक्ष्मि नदीं आवेत् परं वसुधै
 अंतर्गत ०-१, ०-३ CPC के तहत अथवा
 लक्ष्मि वा अथवा पेरवा के तहत
 रणारण की जागीर ही पहावली कंसल
 अथवा होकर बाद कर्मका काविल
 दफ्तर ही

उपस्थित अधिकारी
 अथवा लेख

